

[illegible]

दर्शनकरु सदाकरु ॥ ... ॥ गुरु

श्री जगन्नाथश्रुतिकारिका श्री कथंतिरुवनसुचित्रसुवृद्धिरुक्

विष्णु गुरुनमः वक्रविः नडः दासनः

2625 I

321
Matiānāwala
darsana

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
स त्रैलोक्यमथ यथा ॥

ॐ नमः श्रीवत्सवात्राके ॥ सिध्वत्रयूजाविधिमाह ॥ ॥ कात्रा
ष्टाविधिर्थाः ॥ अथनायाय ॥ ॥ अथयाविष्टासनः ॥ महासधु
लवनापंगयं ॥ ॥ अथयगनयं ॥ ॥ दिनसः ॥ षष्ठिमीम
धुलः ॥ सिध्वत्रयमधुलयासंगय ॥ ॥ षष्ठिलनिकलसुनः
उलकंगयः ॥ अथयययासः ॥ मित्रादकासंगय ॥ ॥ कीकय
सः ॥ मूत्रपागुय ॥ ॥ आदूचूरुकात्रः ॥ कासुगः ॥ नीत्रसुगः
आदूपागः ॥ हादूपागः ॥ घायः ॥ आदूचुगः ॥ अंगचुगयः ॥

सिध्वत्रयमधुलसुशयनयूसंगयः ॥ यथायानन ॥ ॥ अथनिग
दा ॥ आदूसः ॥ ऊऊः ॥ डाः ॥ वाः ॥ नयः ॥ सिध्वत्रयमधुसुशया ॥ ॥
यकुजाविरुकाः ॥ महासधुलसुशयगुविरुका ॥ ॥ अथ
मूगः ॥ यथादूगः ॥ एसाः ॥ यथासुगः ॥ साहनीरुकाः ॥ महासधु
लसं ॥ सिध्वत्रयमधुवसंतिहिंनरुयसुका ॥ ॥ महावविः
दिगववि ॥ ॥ अथनिथायनायनकाव ॥ ॥ सुशोघः ॥ गुत्रया
दाघ ॥ यूजाएविकायक ॥ ॥ यनः ॥ नात्रयूजाः ॥ नात्रकाय ॥ सिधि

समय ॥ ॥ गीत ॥ अक्षसिंगाय ॥ ॥ गुप्तमधुल ॥ विसृजन ॥ सिधुव
युजा ॥ ॥ अक्षिसमय ॥ ॥ वरुणाकार ॥ गीत ॥ अनिव ॥ ॥ दगु
विरुय ॥ ॥ गीत ॥ अक्षिवनिकुसयुजा ॥ ॥ गीतवकवधु ॥ ॥
दुमयुजा ॥ महामधुवसं ॥ सिधुवमधुलसंतिहिनयाय ॥ ॥ गीत ॥
यवकुरु ॥ एतन्नास ॥ निहिनं ॥ मानियुजानिहिनं ॥ ॥ थन ॥ गीत ॥
उर्यवाङ्गा ॥ ॥ सिधुवमधुलयुजा ॥ थन ॥ युष्मासमयकार ॥ गुप्त
यानरुक् ॥ ॥ थन ॥ सांख्ययुजायाय ॥ ॥ थन ॥ दवयुजा ॥ म

हामधुल ॥ सुरुयुजायाय ॥ ॥ थन ॥ दमायधराडाव ॥ गुप्तद
ध ॥ ॥ थन ॥ मधुल ॥ नीगुविं ॥ युदकधा ॥ मन ॥ द्दं द्दं कायाक
नायादि ॥ धूपयाय ॥ थन ॥ दाल ॥ अय ॥ थन ॥ दालषाखध ॥ द्वायाया
नययवसयद्ध ॥ थन ॥ दिगवधन ॥ सूरतिस्फुद्ध ॥ यादि ॥ ॥
थन ॥ वउदालसंयुजा ॥ दिगदवयुजा ॥ सवादेवयुजा ॥ मधुलनियुः
रीसंयुजा ॥ धूनकाव ॥ थन ॥ गुप्त ॥ सिधुवमधुलयाद्वध ॥ यायनरुः
या ॥ ॥ थन ॥ दिगववि ॥ मरुववि ॥ दगुवविविश ॥ ॥ स्थानम

न गुत्रयूजा दक्षता दक्षीसंकरा ॥ संकरा ॥ ॥ सिधूत्रमः
धुलसंकरं काकारं मद्रुया ॥ ॥ ॥ थूगिः क्रिद्रसकमेथ थूया ॥
॥ मिथिथूत्रः यूजा विप्रिमाय ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ थनः विः
॥ ॥ नाथिसकमेथ थूया ॥ ॥ गुत्रः याहा विष्ठा हावः सिधयनिः
आवाधनया हावगा थूया ॥ ॥ यानः कमधुलथियकं नाथ ॥ ॥
नवाऊन ॥ स्नानवायः निष्ठायाक ॥ धूपयाय ॥ थनः गुत्रमागाः स्ना
नका हाव ॥ हाहा विष्ठाया ॥ ॥ मधुलनिगुत्रिसंकरा ॥ ॥ मनः ॥

उयविमृष्ट एगवन्महा माद्वयवतं यत्रमसुखा गरासुखा कुमः
सिद्धिथं उं हं वं हाः कूसु मां ऊ विना थहा ॥ ॥ थनः यदक्षता ॥ ॥
निगुत्रिः मधुलसं ॥ मनः ॥ ॥ हं हं का वा कृ ना दा षाः दिहिका वा रया
नकः लिखा वऊयद नृ थं वऊय वगय मधुल ॥ ॥ मधुलनिगु
त्रिसं ॥ धूपयाय ॥ थनः वउ हाव स ग्य वल ॥ मनः ॥ यत्र ॥ ॥ उं हं हं हं ॥
मनः ॥ दक्षि ॥ ॥ उं हं न मानय द्रष्टा हाटय १ हं हं हं ॥ मनः ॥ यत्रि ॥
॥ हं हं आ आ हं हं हं हं ॥ मनः ॥ उं हं ॥ ॥ उं हं आ आ आ हं हं ॥ थनः

यस्मिन्सदावशासन ॥ मन्त्र ॥ उं द्वा ला घा न य य वे स य दूं ॥ ॥ थन
दि ग व थ ॥ मन्त्र ॥ उं सु सु नि सु सु दूं रु ट ॥ उं गृ द्वा १ दूं रु ट ॥ उं गृ द्वा
प य १ दूं रु ट ॥ उं आ न य द्वा ए ग व न वि श्या ग्रा ऊ दूं रु ट ॥ ॥ थन
व रु द्वा व संपू ज्ञा ॥ सिं धू म धु ल स रु ॥ दि ग द व ॥ सा ग्रा द व य पू ज्ञा ॥
थन ॥ व रु या न न क्वा य ॥ ॥ सिं धू व म धु ल स नि क्वा य ॥ मू व म धु लं
सं क्वा य ॥ मन्त्र ॥ उं य व सृ षा न मं सृ खा स य ॥ सृ व ल वि त वि त्रा स न मि ते न
सा मि ॥ ए ग व ल कं उं दूं वं द्वा ॥ की की १ य मि क्क क्क सृ मा ऊ लि ना थ द्वा ॥

यं या य द्वा व य पू ज्ञा ॥ थन लि स क नां ॥ म द्वा म धु व स या य द्वा ॥ थन ॥ उं द्वा
स न न स्यं ॥ आ या य य व स ॥ आ वि र य द न या द व य द य ॥ मन्त्र ॥ आ द्वा व
म १ आ द्वा व म्मा र्थ स ए व ॥ ध मि गु द्वा ॥ थने ला न्मा ॥ व रु ग्रा ऊ ॥ न मा न म ॥
का य ग्रा क वि के ॥ स गु द्वा ॥ आ का ग ॥ स म ता ल य ॥ नि वि का ल ॥ नि ग्रा य ॥
स ॥ व रु का य न मा न म ॥ वि के ना धा ॥ ग ना ग न ॥ गृ ष्ट प्रिय ष ॥ य थ द
नू त्र ॥ आ उ द न ॥ म द्वा का य ॥ आ के स ॥ न मा न म ॥ आ का ग ॥ का य स ए
॥ आ का ग ॥ वा क् व के क ॥ आ का ग ॥ वि के ध मि ग ॥ व यो य द न मा

मम॥ वरुसुखः मरुयानः अकाशः यथोविश्वप्रकः समुद्रदः
 वायुगः दसयूजाः नितानमः॥ वागद्वयमहाभारुः भारुवकुनाः यदग
 क॥ अकाशः अउल्याग॥ दगयूजानिनाकुमः॥ मादुमाज्जः यविनामिः
 यानागः यथवकुः वृद्धसोः लागः शुद्धासोः द्याययूजाः नलाकुमः॥
 वाधिरिक्कः विभावाकः धर्मवकुः युवकुः॥ कायवाधिरिक्कः सुशुद्धः व
 रुयानः नमानमः॥ ॥ ॐ ॥ धनः कुरुकनकन॥ यकिविमूया
 दि॥ उं सुव्रतथागतकायवाधिरिक्कयुनंमनवदनाकयामी॥ ॥ महाम

नतांरुत उद्धरानशयकं॥

२धनतान

कुलसुखा॥ ॥ धन॥ सिधूत्रः भारुतिः साधनयायशुभा॥ ॐ ॥
 मजानथं॥ धनः सिधूत्रः भारुतिः अगमनमंः सकलमिधके॥ * ॥ धया
 त्रिवं॥ मजानथंः मरुजानरुय॥ नवाहारा॥ उपाध्यादानः नदियुवः
 य॥ ॐ ॥ उं नमः श्रीवकुयागीत्यो॥ नलायगासनम्ः पिरुवनः महि
 माः वृक्षमांत्रकागमिः वात्राहिसूत्रदीयां॥ सयविः विदलिनंः नामनाः
 थंः यत्रायां॥ नखेः स्वदंगः याः जोः नत्रकमत्रः सित्रधरा॥ वासदीहिः
 अउरिः सर्वकणिः निगुलंः यत्रगुः दसत्रकंः विरुनंः रुद्रकादं॥ ॥

थन ॥ नमस्कात्र ॥ ययना ॥ यत ॥ गीग ॥ दूं दूं द ॥ आकूस् ॥ हिवके ॥ मू
प्रयागसह ॥ महामधुलसुखादुगुमीरुआ ॥ सुकप्रभूनकाव ॥ आकूस्त्रि
झाय ॥ धूमि ॥ महामधुप्रस ॥ कंमयायइआ ॥ ॐ ॥ ॥ गुह
थमंत्रि ॥ उपायादान ॥ गुत्रमागा ॥ दवदवीखडाव ॥ मूडान्यासयाय ॥ ॥
मिसमाधिनी ॥ धूनकाव ॥ यंश्चसूयकानहिठं ॥ डाययाय ॥ गीन ॥ व्रव्रव ॥
थनमूडाझाय ॥ मूडानमियके ॥ थन ॥ दिगयति ॥ आशगविय ॥ यश्चमात्रि ॥
गीन ॥ हाजएवन ॥ ॥ थमिधूनडाव ॥ सिंघासनसविआवकेइआ ॥ ॥

थन ॥ पिडावडाव ॥ सिषयादवन ॥ गाकूनय ॥ थन ॥ उपायान ॥ मूडद
वन ॥ ववववत्रि ॥ याग ॥ विय ॥ उं आवडुयागीदीरु ॥ ॐ मंत्रिजीजीरु ॥
दूं ॥ रुरुद ॥ ममसर्वसुखानाश्चभनिकूप्रसादा ॥ ॥ थन ॥ गंभत्रीयाग
कूलाकेकाय ॥ थन ॥ गुत्रयाहाविआवके ॥ थन ॥ नदिपत्रये ॥ ॥ उं नमः
शीयमनृयश्चत्राय ॥ नृयंश्चानं ॥ पुकूव ॥ मूत्रड ॥ मूखात्रवाहूं ॥ नदवन ॥
मांघिहंम ॥ यागकूगुनइनू ॥ विगति ॥ नसन ॥ कंनस ॥ याद ॥ रुहं ॥ मा ॥ न
सिंहना ॥ नृगएव ॥ रुडं ॥ रुदि ॥ रुसां ॥ गुत्रिदि ॥ मूडावंधं ॥ वृत्तिकमि ॥ व
ग

प्रिनमः मूखाः रुल्यं रुद्रकावः ॥ ॥ धनप्रि ॥ वागः गीतः रुद्रसि
त्र ॥ गुद्रनिर्गयाय ॥ ॥ धनः लसाहाय ॥ ॥ यासासंसात्रवके
स विनययतिमत्रं सुस्मिथा गालरुनाः साधिरु मयसादाः दिशतु नि
ऊरुवंः स्वामिनानिष्ययः नत्रयथा लवयंः समुदयमिसुखं
कल्यानाजालमूकं दूशोके साधियमः नित्रसि सविनयं सजु
प्रसवे कालं ॥ ॥ ॥ ॥ धनः प्रुधयाय ॥ उं कीयासकात्रायः गुद्रमा
गा एदोलकायः ववनकमत्रायः अर्धुयमिद्रसादा ॥ धनः ॥ अरिषा

कविरा ॥ अनंयायाकरुना ॥ ॥ धनः मरुप्रिकाय ॥ गीतः ॥ निरुवन ॥
गुल्लन्यायाय ॥ सिधं ॥ धनः ॥ यूजायाय ॥ उमियवय ॥ सिधन ॥ नमस्ते
मुद्रनमानम ॥ यवगयस्ययं मरुनाथं मरुमाद्रूपवत्रं ॥ अशमगरु
प्रंरुलं मरुलं डि विनं वमः अशवृक्षकृपाजगावृक्षयुगसि सावन ॥ ॥
धनः नडावगुयाय ॥ ॥ धनः सिधं वम मरुलसुसादुगुत्रिः यगु =
रुयाव ॥ निष्ययनिदसुनविय ॥ विरुथूनके लून १० ॥ यूजाः उमि ॥
॥ ॥ नखाजीवकृपात्राहिः मनुमूकिडि धज्वरी अशं नवत्रदाहिः

मधुलयाद्वत्क्षेत्रयश्चा ॥ ॥ मूत्रमधुलसुनयमय ॥ ॥ धन ॥
मात्रकाकर्मः सकलं सिद्धमधुलसुनयश्चा ॥ ॥ धनविज ॥
इन्द्रात्रयाः द्रवतः जिकनयात्र ॥ ॥ धनः सकलश्चा ॥ ॥ कस्तूर
सूत्रमतिप्रिय ॥ ॥ लसदात्मापूरयद्रुम् ॥ ॥ निषवदम् ॥ गुरु ॥
हंसदासुरवेनि ॥ ॥ शिगुरुः ॥ द्रवणालयायाइकाः ॥ निवययावया
इन्द्रजिष्ठा ॥ ॥ धनः ॥ पञ्चमकनविय ॥ ॥ उंसर्वशागविर्गम
यादयामिः ॥ सूत्रमसमयसुंदाः ॥ सिद्धिवज्रयथासुखं ॥ ॥ लजिष्ठा ॥

धमदायानसः प्रसयाद्वत्क्षेत्रयश्चा ॥ ॥ मसुखागंगनलुः ॥ धनः
प्रागः ॥ सिद्धिदा ॥ दानहानवज्रसुयाफवायव ॥ ॥ मूत्रलसुर्वेनथाग
नाप्रिस्तिनीरविष्ठासिः ॥ नवसुंयदं ॥ सुर्वेथागनयप्रमयद्रुम् ॥ मधुल
युविष्ठासिः ॥ नवगुद्धानयमिनि ॥ ॥ रुसिष्ठा ॥ धनिमूत्राणि
खमाः ॥ यनिमसुखागंगनलुः ॥ मूत्रिस्तिनीरयायूः ॥ ॥ रुसिष्ठा ॥ धनि
वज्रवावाहियायवप्रकथादाकं ॥ मधुलयागलुः ॥ दस्य ॥ सूयाद्वत्क्षेत्र
नं ॥ सकलयमनव ॥ ॥ धमूत्रलसुर्वेनथाग ॥ ॥ सुदावंगश्यमा

॥ ॐ ह्रीं ॥ ॥ वराकक्षत्रके ॥ ॥ उं खद्युवाहूं ॐ गिय
० नत्रक ॥ उं आखं वीत्रहूं ॥ गदऊमनिकाभूय नत्रयविश्या ॥ ॥
धनः दध्वावाजय ॥ ॥ उं महासूत्रनसूदरसूनायासूखावऊसल
युसिधिसां ॥ ॥ गीत ॥ ॥ किं कूचत्र ॥ अथवाः ॥ गिदवंसं ॥ गुरुन
यथाय ॥ गगययुनामंकात्रयन् ॥ ॥ उं सर्वेनथागगः यूकाय
स्मानाय आत्मानं निर्यागयामि ॥ उं सर्वेनथागगनवऊसलनदि
सिद्धसां ॥ ॥ ॥ गुरु ॥ ॥ धमकुलयाससविज्ञाक ॥ ॥ अक्षायाग

थागगसकेः याधनायाहांः अक्षायागगगसंः ऊअधिसूतनः
याहंनयत्संनक्षयमाः ऊनंसलीत्रः मानुद्वरुवया ॥ १ ॥ उं सर्वेन
थागगूऊयस्मानाः यात्मानं निर्यागयामि ॥ सर्वेनथागगवेत्रावनन
थागगः ऊअधिसूतनकल्यायाहंयत्संक्षयमात्रः ऊनगत्रीलंलं
कुरुलया ॥ २ ॥ उं सर्वेनथागगयूकारिषकायात्मानं निर्यागया
मि ॥ उं सर्वेनथागगवक्ष्याधिसूसां ॥ ॥ गुरु ॥ ॥ वलसंक्षुद्रनथा
गगसंः ऊन अरिषकविसंः अधिसूतनयायमात्रः ऊनसूत्रीत्र

लंदाहवया ॥ ३ ॥ उं सर्वेन थगना ॥ यूजायुवर्कनाया सांनति
योगयामि ॥ उं सर्वेन थगनवडुधमियवर्कयमां ॥ ॥ शयुत्र ॥
अभिगारन थगनसुक ॥ उयासनायाडा ॥ सिद्धियुत्तनरुयमाय
ऊनसुत्रीलमागुलंदाहवया ॥ ७ ॥ उं सर्वेन थगनायडाकर्म
धु ॥ आत्मनंति योगयामि ॥ उं सर्वेन थगनवडुकर्मकूदमां ॥ ॥
शयुत्र ॥ अमाद्यसिद्धिग थगनसं ॥ वक्रयायमाय ॥ थ ॥ यत्रमथत्र
यूजायायनिमिर्कित ॥ ऊनं सुत्रीललंदाहवया ॥ १ ॥ पुन ॥ यू

वेदात्र ॥ उं गुपूयवधायायस्मनायात्मानंति योगयामि ॥ उं सर्वेसुल्य
विग्राधयात्मानंति योगयामि ॥ ॥ शयुत्र ॥ उं यथात्रया ॥ यत्रन
याद्रकानमस्मात्रयाडं याठ जिष्यडि ॥ वक्रयादान ॥ युत्तनरुयमा
य ॥ ऊनयुत्रयात्रसु ॥ सुत्रीललंदाहवया ॥ ८ ॥ सिलस ॥ वडु
नथिय ॥ ॥ जियजिवडु ॥ ॥ अयमसमयावडुमूद्रा
नं सुत्रययदिलमिमकसुविद्रुयान् ॥ ॥ शजिष्य ॥ अमाव
ऊ ॥ श्रीवडुसुलथका ॥ उमिक ॥ सित्रसुवित ॥ थुगुत्रीसु ॥ यु

कासयागसा - थ क्रयलमञ्चत्र - वस्यत्र - वत्र हासं - विहावि
क्रायुषा ॥ नूगत्रस - वऊनधिय ॥ ॥ रुदयवऊं वृत्ता ॥
॥ ॥ वऊसुलसुयर्ग - यरुदयसुसवस्तिन - निहिंयगकृत्त
यायान् - यदिकृयातिमंतयं ॥ ॥ रुषिष्य ॥ श्रीवऊसुलं -
ठिमि - नूगत्रसविआन - समसुहान - गल - गाना - थसमसुया
गंगनल - हान - युकासयागसा - थ क्रयत्रमञ्चलसं - नूगत्र
वत्र हासं - विहावि क्रायिव ॥ ॥ थन - यश्चसृग - विय ॥ ॥

अयंयनावकं वासि - समयेमिकुमाग् - समयसंलकृतं सिद्धि - वि
ववजामृनादकं ॥ लतके ॥ ॥ थन - धूपदान ॥ ॥ शुंनः
गानकत्रं - आकात्रजामिनाएयं निष्ठाया ॥ सदेनथागनाश्चिषि
नवऊसुलमआविसुयु ॥ ॥ थन ॥ नासुयाय ॥ मनु ॥ ॥
रुदिलदं ॥ सिप्रसिवंदं ॥ क - धृयका ॥ पादशावंडं ॥ ॥ घष्
दयन ॥ ॥ थन ॥ गीन - नमदं ॥ ॥ अथस ॥ मनु ॥ ॥
॥ मिधूपदान ॥ ॥ थन - पूषयागन ॥ ॥ लानकाय ॥ ॥

ॐ मिष्टवज्रदराभिरुवज्जाभनभरुवः रुद्रयभसिप्रिमिष्ट = स
वसिद्धिमययचुद्धं रुद्ररुद्ररुद्ररुद्रः स्ववीचद्वयमिष्टवसुमाऊः
लिनाथरु ॥ ॥ नंकाव = चूचके ॥ ॥ ॐ मिमात्राहिरुवक ॥
॥ ॐ ॥ वज्रसुलस्यं नय = यक्रवृत्त्याननं लयः उत्थागरयमिष्टव
कावज्रवक्रवन्तुव ॥ ॥ रुद्रिष्ट ॥ श्रीवज्रसुलविष्णु = पाय
यक्रकाकायाव = यद्धुवक्रनयं ॥ ॥ अश्वयुनकाय ॥ ॥
ॐ हानवक्रुद्धं मृष्टाह ॥ ॥ थन = मधुलकध ॥ ॐ ॥

रुवज्रं पष्ट ॥ मधुलदधनमारु ॥ ॥ वज्रवात्राहि = यद्रुमिन
षड्वितीया नलकन ॥ ॥ थन = मधुलखकध ॥ ॐ ॥
थन ॥ मधुलदधनविर ॥ ॐ ॥ ॐ नमः श्रीवज्रवात्राहि ॥ ॥
यच्छयं मधुलं रुद्रं = दवी विष्णुयापिनि = मद्रासायामद्राविश्या
सुखानां माद्रुदयनी ॥ ॥ यथमंतिदलं यद्र = समव = सकव
दिशं = द्रुमिगदक्रमामनुमूर्तिमुद्राहिना = शागीनीमनु
यीनीयशागिनी = ययदवीगिलाकाका = प्रिकाधस्मानवाहिनी

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

काठिनी

कादही

॥ गथानूवयुक्ता कामः यश्चैनः स्रवसंयुगाः षट्काधः
 स्रवसिदधीः यो विनिविष्टमाननीः यो वाहिर्यामिनीदधीः सोः
 रुनीसंयत्रीनथाः स्रवाविधीमहादधीः स्रवाहिनीनथापवाः यच्चि
 काषट्दद्यावः दिव्यमज्जाय एहवा ॥ ॥ यत्तुपी ० समायुक्ताः
 यूलिकात्राचत्रीनथाः श्रीरुनः उदियानाचत्तुपी ० ०० मिस्सुना ॥
 ॥ ॥ धर्मसंश्रयः निमानः महास्रवः स्रवस्यंः यत्तुचकु
 ०० मिस्सुना ॥ ॥ कालामात्रामहाकाले १४ जायलीसमायुक्ताः

[illegible]

दिमिः कीः उः पः यः जः प्रः ॥ थः सः खः नः

व उषष्टीदलाशुकायमप्रलिसमावृता ॥ ॥ ॐ मिश्रुसमनंयकं
 वरुसलसुखावरं ॥ ॐ ॐ ॥ सुखदूत ॥ ॐ ॐ ॥ ॐ मिश्रुवः
 मधुलदगनविधि ॥ ॐ ॐ ॥ ॐ नमः श्रीवज्रयोगिनी ॥
 ॥ ॥ धर्मोदयसंगतकामरूपी - संज्ञातयूद्धुन्कलविही - दिन
 न्दमागजिनसून्दविगा - नमामिगवदूतिगोश्वरीगां ॥ ॥ यूर्य
 यश ॥ सुखदूत ॥ ॐ ॐ ॥ ॥ यशयंसकुलंसमः - तिसुनियमि
 मादगयंति ॥ ॥ गुरुः नारिकु - पंकावगिदलंयश - सव्यरुदि
 स्थवित्त

उशा ना ॥ ॥ उशा ना न व र क ना नि वू भू ग ॥ उशा ना भय ॥ ॥

वस्म द ना वा यू व ड - उ वू न या डं था हा व ड ॥ ॥ वि नू भू ना हा

श ला ॥ ॥ रु नां य व सा ना व थं - रं ड थ व ॥ ॥ द ग्मा वि रु मि

या ॥ ॥ मि या थं रं ड थ व - का थं या ड ॥ ॥ गे ला क म हि ना ॥ ॥

गे ला क म हि ना थ या डं या ड ॥ म् म् - म् - या ना व या मा म रु या व थ ड ॥

॥ ॥ वि पू व भ ला यू व ग ॥ ॥ हा नि म् ॥ रं नं - म् म् य भ ना हा य कं

वि का क ॥ ॥ वू डो वू डो हा न व ग ॥ ॥ वो डो हा न म् व म् या डं वि

यात्रविश्या॥ ॐ ॥ ॥ धन ॥ द्रुमकनसुखकनयायाद्वयवृत्ति
द्रुमायके ॥ ॥ वंद्यकागहिषसाह ॥ यादि ॥ ॥ युग्मानदी
हृदये ॥ ॥ धन ॥ मनुष्यदान ॥ यत्रासु ॥ जायविश्या ॥ सिद्धिं याग ॥ जा
ययाचके ॥ ॥ जायदद्रुमाकार ॥ ॥ धन ॥ सिद्धे त्ररु ॥ द्रुमाय
नयाय ॥ उयनपूर्यके ॥ ॥ धन ॥ मूगवनविश्या ॥ ॥ धन ॥ गीत ॥
उदिगातत्र ॥ सिद्धे त्र ॥ मारुनि ॥ अगमगतय ॥ धन ॥ युग्माणा ॥
आसनसुविष्ठाकाव ॥ नैत्रजन ॥ उद्यागाकन ॥ ॥ धन ॥ गीत ॥

गुरुदासाय ॥ आर्द्राकार ॥ सिद्धसकुलसखाइगुनी ॥ गुप्ता
 गासकाय ॥ ॥ धनः पुष्टासक्रयविरः सिष्यगान ॥ ० ॥
 धनः सुरुशुद्धन ॥ गुप्तागाययिनिन ॥ ॥ गीत ॥ कावयि ॥
 कवकाय ॥ माकशिनीकाय ॥ ॥ धनः धनमूनियतिह्यंनः गु
 प्तगाययुद्धायाय ॥ ॥ गीतः वकीशसिष्यः सकस्यंनः स्वाडः
 आशगविय ॥ नमस्कावयाय ॥ ॥ धनः दमायनयाडाव ॥ ॥
 धनः सुद्धागाय ॥ गीतः वकिवृकुल ॥ ॥ धूमिः धूनकावः

शशि वृक्षरूपाविक ००२५

पीनवर्धुं ॥ सुवजांकिगं ॥ पंकात्राप्रिष्टिगं ॥ ॥ गणापत्रि ॥ सुंकात्रः
क्षसुमेय ॥ यउवतुमयं ॥ अष्टशृणाप ॥ अष्टिगं ॥ सुंकात्राप्रिष्टिगं ॥
॥ ॥ गणापत्रि ॥ सुंकात्रघ ॥ विश्ववजं ॥ वत्रगकधे ॥ सुंकात्रघ ॥
दूदागीत्रावयय ॥ ॥ एनस ॥ गणापत्रि ॥ पंकात्रघ ॥ विश्व
दलेयम ॥ अष्टदलकमलकध्रुका ॥ केशलात्रिगं ॥ गम ॥ अलि
कालिजागं ॥ ॥ गदपत्रिलविमृष्टिगं ॥ गत्यलिधग ॥ श्रीरुद्रकः
वज्र ॥ वज्रसुखयुगं ॥ नानावर्त्मनिशत्रुनां लावयय ॥ * ॥ ययं ॥
एगवतं कषुवम ॥ यउवक ॥ यमिसुरं मि ॥ धगं ॥ अदशरुजं ॥ ओश्रीटासनस ॥ किनी ॥
महादेव ॥ कात्रिना ॥ काकमान ॥ वेऊवा ॥ कात्रिजिगं ॥ सुऊदयनवदेव ॥ अष्टिगं ॥

मगकस ॥ रुद्रय

यत्र हानवर्धु ॥

ययं ॥ ॥ यत्रसुखमय ॥ कमलवय ॥ लयूव ॥ अष्टगवालायका
व ॥ विश्वक ॥ समुदिनगज ॥ सुदुष्टकले ॥ यत्रकि ॥ वंदमाया ॥ रुद्रथया
वविश्वक ॥ समवसुला ॥ संसात्रहिगथयादं विश्वक ॥ समाप्रिगुन ॥
समाप्रिविद्या ॥ थूयावविश्वक ॥ अष्टयहान ॥ यत्रंखिनमरुवसुवीय ॥ सु
सुवीनमंजिनवय ॥ सुषिगदेरुधव ॥ गथागगयाथिम ॥ गथागगयाथि
नसुवीय ॥ गथागसुग ॥ सम्यकसंवाप्रिहानवाक ॥ कद्रुधवसु ॥ महाक
वृनावगं ॥ सुयावविश्वक ॥ मुदिनविकाप्रिग ॥ यमिसुमीगावविश्वक ॥

धर्मननु ॥ धर्मयागुहदय ॥ त्रिहवननऊयं ॥ छगः मध्वः यागावसु-
मंमंयावविआक ॥ कृमिहकय ॥ वज्रः घट्टः धवयावविआक ॥ शुन
नयंकि ॥ रुउसागथूकाः म हागून्यविआक ॥ जीवडसुखयत्रमागुन ॥
रुसकन्याडकयाथथूकाः रुउसागथूका ॥ ॥ यूरंयथां ॥ ॥
वकसमप्रस्य ॥ ॥ ॥ नगुसूदलकमलं ॥ ताकिधीश्वरथात्रामा-
खधुलाहाउरूयीधी ॥ यमयूद्यदिसुहान-सर्वसिद्धियदायिका ॥ ॥
दृष्टुः ह्यामः प्रकः चिग ॥ ४ ॥ एकवकाः वउरुडाः वामे ॥

कयात्रः खडागंः दक्षिः (धः) उमत्रुकर्कि का ॥ चिनगः मूककेनया ॥
आलीरासनकिना ॥ दष्टकयात्रवदना ॥ यं अमूडाविरुषिग ॥ ॥
विदिक्रवलाया ॥ वाधिविर्कुनः प्रऊसाः यं अमृगः य अयुदियेय-
सिद्धिप्रसवदंती ॥ हरेयूर्धु निमूऊलनादि ॥ वज्रकयाठकः समय
कयागकः ॥ विसमयकयागक ॥ समयविसमयकयागक ॥ यून ॥ का
नः वाकः चिगः वक्र ॥ ॥ सर्वगथागग हकार ॥ यूनवउविंगः
मिगी ॥ २४ ॥ दवदवीआवाहिग ॥ यूनः दगहमिसंयूर्धु ॥ रुव

न० प्रियं क० संवत्सराकार ॥ ययभूत ॥ यून० यथम० विगुयकु०
मूल० नीलवर्धु० नीलवजावलिद्वगं ॥ यूर्व ॥ यूलिमवयपी० ॥
स्वधुकपात्रदव ॥ ययधुदवी ॥ सिवसि ॥ कपात्रस ॥ उरु ॥ जालंध्रीः
पी० ॥ मरुकेकात्रदव ॥ रधुद्विदवी ॥ निखायां ॥ वसूपात्र ॥ यकि ॥ डा
दियानपी० ॥ केकेलंकदव ॥ यरामनिदवी ॥ दक्षिणक० ॥ उवद्वस
यं ॥ दक्षि ॥ अर्धदवपी० ॥ विकटद्विदव ॥ मरुनासादवी ॥ एरु ॥
त्रिकुत्रस ॥ यययय ॥ विगुयकु ॥ यमूदिगारुमि ॥ ४ ॥ विदिग

स ॥ अर्ध ॥ ययदावलिपी० ॥ गूत्रावरीदव ॥ वीलमनिदवी ॥ यामकधु० ॥
स्ववद्वसयं ॥ नेमय ॥ अभयवीपी० ॥ अमृगारदव ॥ रववलिदवी ॥ ए
मय ॥ कानिषाग ॥ वायूय ॥ दवकागपी० ॥ वयययदव ॥ लकयवी
दवी ॥ यययय ॥ मिषाविष ॥ ०० ॥ मावयपी० ॥ वयययदवगा ॥
इमकायादवी ॥ कययय ॥ कयनिकं ॥ अय० नेय० वाय० ०० ॥
यिगयकु ॥ विमत्रारुमि ॥ ४ ॥ ०० निविरेयकुकेयवि ॥ ८ ॥
विगीयवाकयकु ॥ वकवधु० वकयसावत्रिवृगं ॥ यूर्व ॥ कामवपी

०॥ अक्रुत्रिकदव ॥ नलावमिदवी ॥ ककशा ॥ राक निरु ॥ उरु ॥ ६
अ ५ नवी ०॥ वरुमटि वदव ॥ महाकं का वदवी ॥ सुनशा ॥ इरु निरु ॥
यू ३ ॥ वाक वक्र ॥ एलक विरुमि ॥ यरु ॥ गिगक नीपी ०॥ महा
वीलदव ॥ वायू वगदवी ॥ नाह ॥ यरु ॥ दकि ॥ कागलपी ०॥
वरुदं कालदव ॥ गुरादिदवी ॥ नासिका ग्य ॥ कागशा ॥ य ३ ॥
वाक वक्र ॥ अविम निरुमि ॥ विदिगग ॥ अ ॥ कलिं गयी ०॥ सु
रुदादव ॥ सामादवी ॥ मू ॥ शावस ॥ नेच ॥ लंवाकयी ०॥ व

अय रदव ॥ सुरदादवी ॥ क ॥ कथुस ॥ अ ॥ ने ॥ वाक वक्र ॥
सुईरुगारुमि ॥ वायू ॥ कायापी ०॥ महा रव वदव ॥ रुयक ॥
दवी ॥ रुदय ॥ नृगदस ॥ ०॥ अ ॥ रुमा वयपी ०॥ विरुयाकदव ॥
रव गाननादवी ॥ म ॥ दाकस ॥ वा ॥ ०॥ वाक वक्र ॥ अरि मूषि
रुमि ॥ ॥ ०॥ मि वाक वक्र रुव विन ॥ १० ॥ रुमिय कायय
क ॥ शुक्रवर्ष ॥ शुक्रवक्रा वलिरुनं ॥ यू ॥ यंगयूयापी ०॥ महा
लदव ॥ वक्रवगदवी ॥ अ ॥ उरु ॥ गुरुदव गयी ०॥ वलवड

देव ॥ स्वधुवा हादवी ॥ युष्क ॥ मार्ग ॥ यूः ३ ॥ कायवकु ॥ इंगमा
रुमि ॥ यः ३ ॥ सो लासयी ० ॥ हर्यंगीदव ॥ सो धिनिशदवी ॥ उवा ॥
३३३३ ॥ दक्षि ॥ सुवर्धु दीययी ० ॥ आकाशगगहदव ॥ वकुवः
धुनीदवी ॥ ऊघाया ॥ स्वयम् ॥ यः ३ ॥ कायवकु ॥ अयवाहमि ॥
॥ ॥ विदिगम् ॥ अय ॥ नगवयी ० ॥ श्रीरुलूकदव ॥ शुवीमाः
दवी ॥ पादागुवीम् ॥ उमियविनिम् ॥ नैऋत्य ॥ सिः ॥ आयादवी ० ॥
यमनृत्त ॥ अयदव ॥ महाववादवी ॥ पादपृष्ठ ॥ अयिम् ॥ ॥

अय ॥ नैऋत्य ॥ कायवकु ॥ साधूमिहमि ॥ ॥ वायूय ॥ मैत्रीयी ० ॥
वैशाखनदव ॥ वकुवर्धुनीयदवी ॥ अयुयय ॥ बालगयाअयुयास ॥
० ॥ ॥ दूवनायायी ० ॥ वकुहलदव ॥ महाविश्यादवी ॥ जानू ॥ यू
० ॥ ॥ वा ॥ ० ॥ ॥ कायवकु ॥ धर्ममद्याहमि ॥ १० ॥ २४ ॥
० ॥ मि कायवकुहलवि ॥ ० ॥ काय ॥ वाक ॥ विरु ॥ वकुहलवि ॥
॥ ॥ यूरंययं ॥ नकवका ॥ यशुहजा ॥ विनेगा ॥ ऊनामकूग
यनका ॥ आबिगधलूऊदसन ॥ वकुवकुयधुधवा ॥ वास ॥ स्व

दसहमी ॐ उत्तरीमहा

घंग ॥ दक्षिण ॥ उमरुकेनथा ॥ यंशमूडाविहसिगा ॥ आलिधाम
नसहिगा ॥ ॐ गि ॥ निवकुहवमि ॥ ० ॥ यमादिता ॥ विमत्रा ॥
युलकमि ॥ अविममि ॥ हंडंडया ॥ अविमूषि ॥ इवंगमा ॥ अवरवा ॥
साधूममि ॥ धम्ममेघा ॥ दण्डमिसंयुद्ध ॥ ॐ ॥ पूर्वोदिवउ
का लम् ॥ काकासा ॥ नीला ॥ उलकासा ॥ अमा ॥ अनासा ॥ वका ॥
शुकासा ॥ पीगा ॥ वउदेवीनथाउकं ॥ वकवका ॥ दिहजा ॥ अः
लिंननकेपालहसा ॥ इवगडेनि ॥ कर्हिका ॥ गिनगा ॥ ओउवृषि

नीरु

धम ॥ रूजासनसहिगा ॥ मूककुभावित्राङ्किता ॥ अद्वयं गसंमाप
ना ॥ दिगमवप्रवापया ॥ कछिका ॥ यउकयूर ॥ कधुलं वक्रसुय
कं ॥ कधुलं कंगिगामाला ॥ मसला ॥ घूघूत्रात्रवे ॥ ॥ विदिः
इयलात्रय ॥ यमदादि ॥ यमइमि ॥ यमडुही ॥ यममथनी ॥ शोकोर
यामनाहवा ॥ युगासना ॥ मरुधाता ॥ हलार्थकप्रक्षयगा ॥ कानदि
गवर्धुविशुद्धिगा ॥ सर्वसांभव ॥ वीरयागीनीनां ॥ ललाटवडमात्रा
प्रया ॥ ॥ विशुद्धिमारु ॥ वउसं ॥ वउ ॥ न्द्रिय ॥ वउहगहला

ॐ ॥ समाधि ॐ त्रिय ॥ साध ॐ त्रिय ॥ काय ॐ त्रिय ॥ वाक ॐ त्रिय ॥

॥ ॐ श्रवण सा समा रथ ना ॥ ॐ श्रवण सहा वडा ॥ ॐ श्रवण वाक गं मा ॥

श्रवण ॥ वीर्य वत्र ॥ स्मृति वत्र ॥ समाधि वत्र ॥ अह वत्र ॥ यत्रि ॥ ० ॥

वलाव स्मृति ॥ उय स्नान विगुडा ॥ ॥ सा उगजा गिनी यत्रि वत्र ॥

सा उगजा गिनी कथं देवी ॥ ॥ ^{विन}वा न्या देवी ॥ ^{वस}वं गा देवी ॥ ^{विथ}मृदं गा ॥

देवी ॥ ^{यग}मूल जा दे ॥ ^{दिना}हा सा देवी ॥ ^{नासा}वा सा देवी ॥ ^{स्नान}वडा सा देवी ॥ ^{गात्र}गी गा देवी ॥

नृ सा देवी ॥ ^{नय}यू सा देवी ॥ ^{स्नान}यू सा देवी ॥ ^{धूप}दी सा देवी ॥ ^{मन}गं सा देवी ॥ ^{सुगंध}वडा ॥

४२ वक्र यत्रिका व सा देवा ४

^{श्रुत}सा देवी ॥ ^{धर्म}वसा देवी ॥ ^{धर्म}धर्मा देवी ॥ ॐ मि सा उगजा गिनि ॥ ॥

व उग्र सं ॥ व उग्र सं ॥ व उग्र सं ॥ व उग्र सं ॥ व उग्र सं ॥ व उग्र सं ॥

सुखाय सा देवा ॥ ॥ सुखाय सा देवा ॥ ॥ सुखाय सा देवा ॥ ॥ सुखाय सा देवा ॥ ॥

वक्रानी लव ध्रुवं ॥ वंटां गा व सा यका ॥ कर्म गा व सा देवा ॥ ॥

असु सं ग व सा यका ॥ कि कि नी जा ल सं ग ना ॥ अष्ट ॥ युगा का सं सा रा ॥

वक्रानी लव ध्रुवं ॥ वंटां गा व सा यका ॥ कर्म गा व सा देवा ॥ ॥

असु सं ग व सा यका ॥ कि कि नी जा ल सं ग ना ॥ अष्ट ॥ युगा का सं सा रा ॥

का वापीरुगा ॥ अरुवी ० वाक पात्रं ॥ नशा सो ॥ येय विद्रुय ॥ अरु
सिद्धा समायुक्त ॥ नम संयुक्तं मधुलं ॥ यूर्यं ॥ यज्यं ॥ ॥ गग ॥
विस्तृत नयय ॥ पूर्व ॥ ॥ अदिलोकपात्र ॥ यद्योग भग्नान ॥ लोहि
पा सिद्धा ॥ धर्मय लयेय ॥ धीषय द्द ॥ नवावगिनदि ॥ वाशुकिना
ग ॥ गजिर्ग मय ॥ वस्त्रयनीदयी ॥ दक्षि ॥ उम ॥ वाकपात्र ॥ ग
कात्र लोव भग्नान ॥ विद्रुय सिद्धा ॥ विद्रुय ल ॥ येय ॥ अरु ॥ वृद्ध ॥
वृद्ध ल ग ॥ नदि ॥ गदक ॥ नाग ॥ यक्षिग ॥ मय ॥ वावाहि ॥ द

वा ॥ यक्षि ॥ वरुन लोकपात्र ॥ कावां दू ॥ भग्नान ॥ कर्षुण सिद्धा ॥
वस्तुय लयेय ॥ कंकरी ॥ वृद्ध ॥ कावरी ॥ नदि ॥ कर्क ग क ॥ नाग ॥
धाष ॥ मय ॥ ॥ अदिलोकपात्र ॥ उरु ॥ वृद्ध ॥ लोकपात्र ॥ कं व क
लीषध ॥ भग्नान ॥ गंग विद्रुय सिद्धा ॥ मनियु ल ॥ येय ॥ यूर्य ॥ वृद्ध ॥
कक्षि ॥ नदि ॥ यम ॥ नाग ॥ अरु ॥ मय ॥ मारु ॥ वरीदयी ॥
अरु ॥ अग्नि ॥ लोकपात्र ॥ अरु ॥ भग्नान ॥ सिद्धिपा ॥ सिद्धा ॥
का नायु ल ॥ येय ॥ वृद्ध ॥ विमवा ॥ नदि ॥ मारुयम ॥ नाग ॥

घन ॥ मद्य ॥ को मा विदयी ॥ ने अय ॥ वा दग ॥ ला कपात्र ॥ लक्रि व
 धु ॥ म म न ॥ व वि ण सि द्धा ॥ स न य रा ॥ ये य ॥ क दं व ॥ वृ द्ध ॥ पि ण सा ॥
 न दि ॥ दू व ॥ ना ग ॥ य मा न ॥ म द्य ॥ वी बु वी दयी ॥ वा यू य ॥ रु ग ॥ वा क
 पात्र ॥ धा मां ष कात्र ॥ म म न ॥ ना वि ण सि द्धा ॥ सू त र्धु य रा ॥ ये य ॥
 व ग ॥ वृ द्ध ॥ हि म व गि ॥ न दि ॥ दू व ॥ ना ग ॥ व स न ॥ म द्य ॥ वा मू
 धु दयी ॥ ॐ मं ॥ वे मूं ॥ ला कपात्र ॥ कि वि कि वा य म म न ॥ म दि
 पा ॥ सि द्धा ॥ ग वृ नि य रा ॥ ये य ॥ व क गि ॥ वृ द्ध ॥ गी ग व गि ॥ न दि ॥ सं

३५२

स पात्र ॥ ना ग ॥ य द्य ॥ म द्य ॥ म हा व श्री दयी ॥ ॥ ना ना धा व मू स्या ॥
 क वं धा दि ॥ स मा वृ ता ॥ ॐ ॥ न ना नि म धु ल द ग ना य ॥ नि मि ति र्थ ॥
 य वृ द्धि ला ण ॥ व (धु ग स म म न ॥ न दि गि त्र ॥ दू ग वा वृ द्ध ॥ वा सि ग ॥ ० ॥
 ग गु न या ग यि ॥ ग ग ॥ या ग का ल स रु सा रु य ॥ मू द न यां हा नं कृ त्वा ॥
 य रं र मि त्वा ॥ ॥ ग ग मू द यी ॥ ० हि ग ॥ सि द्धा ग ॥ धे स रु सा व नं कृ ॥
 त्वा ॥ ॥ क म य ॥ य वृ द्धि यी ॥ ० ग ग ॥ ॥ ग द ॥ य वृ द्ध व द्य ग यी ॥ ० हि
 ग ॥ मू द सि द्धा ग ॥ धे ॥ क रुं रा मा न व ॥ कि म र्थ ॥ म ग द्ध गि ॥ ॐ ॥

निवदत् ॥ ॥ नदायूर्यं वदनि ॥ रुसिद्धश्च ॥ श्रीचक्रसम्प्रदयः
नायः आगतावर्यं ॥ ॥ सिद्धश्च ॥ साधूश्च मानवयूषाकं वर्यं
यथावा ॥ ॥ रुगता ॥ नयूर्यं वदनि नागच्छ ॥ ॥ ॥ नदायूर्यं
॥ निवदत् नं गूला ॥ यूर्यमा ॥ ननगता ॥ ॥ ननु ॥ अष्टलाकपात्र ॥
हवनसंयाक ॥ ॥ ॥ नदायूर्यं लाकपात्रोदायिगं ॥ कस्तूरामलायूर्यं
॥ समग्रम ॥ ॥ मर्थं ॥ रुगता ॥ यूर्यमागच्छ ॥ ॥ नदायूर्यं
विद्विहता ॥ किंविद्विहता ॥ यूनन ॥ संहमनगच्छनि ॥ पृथिव्या

हलांजलिहता ॥ अष्टलाकपात्रस्य ॥ पादोनिवहावद्विहता ॥ यूर्यं वदा
द ॥ रुगता ॥ नदायूर्यं ॥ नवदगनार्थं ॥ ॥ रुगता ॥ यूनन ॥ श्रीचक्रसं
प्रदगनार्थं ॥ आगतावर्यं ॥ ॥ ॥ नदालाकपात्रावदाद ॥ ॥
साधूश्च मानवयूषाकं ॥ आगतावर्यं ॥ नदायूर्यं ॥ रुगता ॥ ग
च्छ ॥ अष्टलाकपात्रसंप्रदगयति ॥ ॥ ननु ॥ श्रीचक्रसंप्रदगन
किंरुगं ॥ नानावत्संरुगं ॥ नानावत्संरुगं ॥ नानावत्संरुगं ॥ अष्टलाकपात्रसं
नानावत्संरुगं ॥ ननु ॥ रुगता ॥ यूर्यं ॥ रुगता ॥ यूर्यं ॥ रुगता ॥ यूर्यं ॥

१॥ गंगादिष्वक॥ गुरुसदप्रभुसक॥

[illegible]

मकूटधरं ॥ उदनिमकूटयादं ॥ अर्धचन्द्रनक्षत्रपात्रयादं ॥ विंश
विंशवर्तन ॥ आलयमानयादं विंशक ॥ उदयकटशीषन ॥ त्रास्य
नदयकाव ॥ प्रसनं ॥ संस्कृतायादं विंशक ॥ आद्यत्रमोमप्रधरं ॥ व्या
द्यत्रमोम ॥ निवासनयादं ॥ यादं ॥ गगनत्रयत्रमात्रा ॥ गगनक्रिया
वक्ति ॥ मूढुमात्रा ॥ कोखायावविंशक ॥ षड्मूढासु ॥ अहि ॥
षड्मूढानक्रियावविंशक ॥ वक्ति ॥ कूधुव ॥ कठि ॥ यात्रक ॥ मख
त्रा ॥ रसीकि ॥ षड्मूढायुक्तिरिना ॥ ॥ ॥ ॥ रुनायत्रं ॥ श्री ॥ वड
मा

वायाहि ॥ वक्तवधु ॥ आदू ॥ यात्र ॥ नकमूखा ॥ कृपायात्र ॥ द्विर
जा ॥ नकायाहाथ ॥ विधुगा ॥ स्रगत्रमिखा ॥ मूक ॥ वंश ॥ म
यत्रदंगयावविंशक ॥ वामरुआलिंगीनकयात्ररुहा ॥ दलयात्राहा
थन ॥ यत्रमश्वत्र ॥ आलिंगनयाहाव ॥ कयाठकद्वीविंशक ॥ उ
दयात्राहाथन ॥ संलभगुडयत्रपात्र ॥ यादककि ॥ अग्रियाथां ॥
कादुलमानरुवगंउ ॥ उंयादयसमावद्य ॥ कूठ ॥ नेपानं ॥ यत्र
मश्वत्री ॥ आलिंगनयादं ॥ महासूर्य ॥ आलाशयात्रयादं ॥ रुका

सद्वाक्य ॥ ॐ ॥ शान्ति ॥ ॐ ॥ न विष्णु ॥ यथा ॥ शान्ति ॥
गुह्य ॥ ॐ ॥ यथा ॥ ॐ ॥ यत्तु वक्तुं किमर्थं ॥ यत्तु विष्णु किं ॥ विष्णु
द्वर्थं ॥ सा नि ॥ यादिक ॥ यथा ॥ अविवात्र ॥ का ॥ गिरि वक्तुं किमर्थं
हृत्तर विष्णु वक्तुं सा न ॥ हृत्तरर्थं ॥ यत्तु हृत्तर विष्णु द्वा ॥ वक्तुं यत्र ॥ यत्तु या
त्र मिता ॥ गुह्यर्थं ॥ यत्तु यत्र ॥ गत्तु यत्तु विष्णु द्वा ॥ उ गत्तु सा ॥ वि
ना सार्थं ॥ द मत्तु किमर्थं ॥ गत्तु न ॥ सर्वे वक्तुं यत्तु यत्तु ॥ यत्तु सत्तु कि
मर्थं ॥ काय ॥ याक ॥ विष्णु ॥ दास ॥ दत्तु नार्थं ॥ कत्तु किमर्थं ॥

यत्तु दत्तु नार्थं ॥ ॐ ॥ यत्तु किमर्थं ॥ ॐ ॥ यत्तु दत्तु नार्थं ॥
यत्तु किमर्थं ॥ गिरि वक्तुं यत्तु दत्तु नार्थं ॥ सर्वे गत्तु किमर्थं ॥ या मि
विष्णु सत्तु र्गर्थं ॥ या गत्तु किमर्थं ॥ सत्तु कत्तु न वक्तुं यत्तु ॥ या ग
किमर्थं ॥ सर्वे सत्तु कत्तु न वक्तुं यत्तु ॥ वक्तुं सत्तु किमर्थं ॥ सर्वे विष्णु
त्य नागु नार्थं ॥ विष्णु वक्तुं यत्तु ॥ गिरि गिरि विष्णु वक्तुं किमर्थं
सर्वे सत्तु कत्तु न वक्तुं यत्तु ॥ गिरि गिरि ॥ सर्वे वक्तुं किमर्थं
हृत्तर कत्तु न वक्तुं यत्तु ॥ उट्टा मत्तु किमर्थं ॥ सर्वे विष्णु सत्तु